भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1562 का उत्तर

बौद्धविरासत स्थल जाने हेतु बौद्ध परिपथ रेलगाड़ियां

1562. डॉ. रबीन्द्र नारायण बेहेरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बोधगया, राजगीर, नालंदा, सारनाथ, लुम्बिनी आदि से इस वर्ष शुरू किए जाने के लिए प्रस्तावित बौद्ध परिपथ रेलगाड़ियों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या कोविड महामारी से बहुत पहले उक्त रेलगाड़ी को रत्नागिरी, उदयगिरि, ललितगिरि और अन्य स्थानों पर लाने की योजना बनाई गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) क्या इन स्थानों को नए यात्रा क्रमों को प्रस्ताव में शामिल नहीं किया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) इन विश्व प्रसिद्ध विरासत स्थलों की पर्यटन संबंधी अपार संभावनाओं को देखते हुए सरकार द्वारा इन्हें बौद्ध परिपथ रेलगाड़ियों में शामिल करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल द्वारा 14.11.2021 को जारी भारत गौरव ट्रेन नीति फ्रेमवर्क के तहत थीम आधारित पर्यटक सर्किट गाड़ियों का परिचालन किया जाता है। यात्री मांग के आधार पर देश भर में विभिन्न विषयों और यात्रा कार्यक्रमों को शामिल करते हुए पर्यटक सर्किट गाड़ियों की योजना बनाई जाती है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन द्वारा संचालित बौद्ध सर्किट टूर में बोध गया, राजगीर, नालंदा, वाराणसी (सारनाथ), कुशीनगर (लुंबिनी-नेपाल) और श्रावस्ती शामिल हैं।

ऐसे सर्किट विभिन्न स्थानों की यातायात मांग के अनुसार परिचालित किए जाते हैं। जब भी मांग उपलब्ध होती है, सर्किटों का प्रावधान किया जाता हैं।

****

S.K